पवित्र शास्त्र में “फंदा” या “यंत्र” शब्द का अर्थ संदर्भ के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। ये शब्द अक्सर निम्नलिखित बातों को दर्शाते हैं:

एक यांत्रिक वस्तु या औजार, जिसे कुछ पकड़ने या जकड़ने के लिए बनाया गया हो,

या मानव-निर्मित एक ऐसी तकनीक या यंत्र जो युद्ध या निर्माण में विशेष कार्य पूरा करने के लिए प्रयोग होता है।

1. दुष्टों के लिए विनाश का प्रतीक: फंदा

“फंदा” शब्द का एक उदाहरण अय्यूब की पुस्तक में मिलता है, जहाँ बिल्दद दुष्टों की दशा के बारे में कहता है:

“फंदा उसके पैरों को पकड़ लेता है, और जाल उसे दबोच लेता है।”अय्यूब 18:9 (ERV-HI)

यहाँ “फंदा” ईश्वर के न्याय का प्रतीक है। बिल्दद दुष्ट व्यक्ति की दशा की तुलना ऐसे व्यक्ति से करता है जो अचानक जाल में फंस जाता है। जैसे फंदा चुपचाप और अचानक शिकार को पकड़ लेता है, वैसे ही पाप में चलने वालों पर विनाश आ पड़ता है। यह एक काव्यात्मक चेतावनी है: कोई भी व्यक्ति पाप के परिणाम से नहीं बच सकता।

2. शब्दों के लिए रूपक के रूप में फंदा

इसी अध्याय के आरंभ में, बिल्दद एक बार फिर यह शब्द प्रयोग करता है:

“तू कब तक बातों के जाल बुनता रहेगा? सोच ले, तब हम बोलेंगे।”अय्यूब 18:2 (ERV-HI)

मूल इब्रानी भाषा और स्वाहिली अनुवादों में यह एक रूपक है। बिल्दद अय्यूब पर आरोप लगाता है कि वह अपनी बातों से खुद ही फंसा हुआ है, जैसे कोई अपने शब्दों से जाल बिछा रहा हो। यह दिखाता है कि लापरवाह या रक्षात्मक बातें स्वयं ही उलझन और दोष का कारण बन सकती हैं।

3. युद्ध के यंत्र: सैन्य तकनीक के रूप में यंत्र

“यंत्र” शब्द का एक और प्रयोग 2 इतिहास 26 में है, जहाँ राजा उज्जियाह की सराहना की जाती है क्योंकि उसने यरूशलेम की रक्षा के लिए नई सैन्य तकनीक तैयार करवाई:

“यरूशलेम में उसने ऐसी यंत्र बनवाईं जिन्हें कुशल कारीगरों
ने ईजाद किया था, जो मीनारों और कोनों पर तैनात की गई थीं,
ताकि उनसे तीर और बड़े पत्थर फेंके जा सकें। उसका यश दूर-दूर
तक फैल गया, क्योंकि वह अद्भुत रूप से सहायता प्राप्त करता
रहा, जब तक कि वह शक्तिशाली नहीं बन गया।”2 इतिहास 26:15 (ERV-HI)

ये यंत्र प्राचीन काल की युद्ध मशीनें थीं – जैसे गुलेल या बड़े तीर फेंकने वाले यंत्र। यह दिखाता है कि मनुष्य की रचनात्मकता रक्षा और युद्ध दोनों के लिए उपयोग में लाई जा सकती है। परमेश्वर ने उज्जियाह को ज्ञान और सहायता दी — लेकिन बाद में उसका अहंकार उसके पतन का कारण बना (2 इतिहास 26:16 देखिए)।

क्या आप मसीह की वापसी के लिए तैयार हैं?

प्रिय मित्र, आज का समय गंभीर है। प्रभु यीशु मसीह का आगमन पहले से कहीं अधिक निकट है। बाइबल हमें चेतावनी देती है:

“तुम स्वयं भली-भाँति जानते हो कि प्रभु का दिन रात के चोर
की तरह आएगा।”1 थिस्सलुनीकियों 5:2 (ERV-HI)

अगर मसीह आज ही लौट आए, तो क्या आप तैयार होंगे?

क्या लाभ है यदि कोई सारी दुनिया पा जाए लेकिन अपनी आत्मा को खो दे?

“यदि कोई मनुष्य सारी दुनिया पा ले, और अपनी आत्मा को खो दे,
तो उसे क्या लाभ होगा?”मरकुस 8:36 (ERV-HI)

यदि आपने अब तक प्रभु यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं किया है, तो आज उद्धार का दिन है:

“आज यदि तुम उसकी आवाज़ सुनो, तो अपने मन को कठोर मत बनाओ।”इब्रानियों 3:15 (ERV-HI)

पाप से मन फिराओ। मसीह की ओर मुड़ो। उसके क्रूस और पुनरुत्थान पर विश्वास करो — और तुम उद्धार पाओगे।

क्या आप उद्धार की प्रार्थना करना चाहते हैं?

यदि आप यीशु को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता बनाना चाहते हैं, तो इस तरह प्रार्थना कर सकते हैं:

“प्रभु यीशु, मैं एक पापी होकर तेरे पास आता हूँ। मैं विश्वास करता हूँ कि तूने मेरे पापों के लिए मृत्यु सहन की और फिर जी उठा। कृपया मुझे क्षमा कर और मेरे जीवन में आ जा। मुझे शुद्ध कर और आज से तेरे साथ चलने में मेरी सहायता कर। आमीन।”

प्रभु आपको आशीष दे।
क्या आपने आज मसीह को स्वीकार किया? तो उसके प्रकाश में चलिए। अपना हृदय तैयार रखिए। उसके लिए जिएं।

“बाइबिल में ‘फंदा’ या ‘यंत्र’ का क्या अर्थ है?”

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp